13.एनेस्थेसिया देते समय एक एनेस्थेटिस्ट मरीज़ से किस तरह के सहयोग की उम्मीद रखता है?

लोकल और रिजनल एनेस्थेसिया के लिए

आम तौर पर एनेस्थेटिक्स, जब मरीज़ बेहोशी की हालत में हो, तब दिया जाता है, और फिर इसे हल्की शामक दवा दी जा सकती है ।

मरीज नीचे बताए अनुसार कर सकता है :

- सही स्थिति में आने के लिए एनेस्थेटिस्ट की सहायता करनी
- यदि सुई के लगने के कारण दर्द हो तो एनेस्थेटिस्ट को उसके बारे में बताना
- जब एनेस्थेटिक की असर होने लगे, तो एनेस्थेटिस्ट को उसके बारे में बताना

लोकल और रिजनल एनेस्थेटिक इंजेक्शन का प्रकार और उसे प्रदान करने के लिए जगह का आधार, मरीज़ का जो ऑपरेशन होना है, और उसके बाद उसे होने वाले दर्द में जो राहत मिलनी जरुरी है, उस पर होता है ।

रिजनल एनेस्थेसिया

शरीर के निचले हिस्से में ऑपरेशन करने के लिए, स्पाइनल या एपिड्युरल इंजेक्शनो का उपयोग किया जाता है । स्पाइनल यह एक ही इंजेक्शन है, जिसका प्रभाव शुरु होने में कुछ ही मिनट लगते हैं, और लगभग दो घंटो तक इसकी असर रहती है, और इस अवधि को बढ़ाने के लिए यह इंजेक्शन दोबारा नहीं दिया जा सकता ।

एपिड्युरल का प्रभाव शुरु होने में लगभग आधा घंटा लग सकता है, लेकिन आपके ऑपरेशन के बाद घंटो के लिए और कभी-कभी कुछ दिनों के लिए भी दर्द को दुर करने के लिए उसका इस्तेमाल३ किया जा सकता है ।

प्लास्टिक की ट्युब कैथेटर में अधिक स्थानीय संवेदनाहारी बढ़ सकते हैं और इस दवा की मात्रा में वृद्धि की जा सकती है । आप एनेस्थेटिस्ट द्वारा दिए गए उपयुक्त निर्देशो का पालन कर सकते है और सही स्थिति प्राप्त करने के लिए सहयोग कर सकते हैं ताकि सुई उचित रुप से फिट हो सके ।

जनरल एनेस्थेसिया

यदि जनरल एनेस्थेसिया दिया जाए उससे पहले ही मरीज़ को शामक दे कर उसे बेहोशी की स्थिति में पहुंचा दिया गया हो, तो मरीज़ को उसके बाद यह याद न रहे ऐसा हो सकता है । जनरल एनेस्थेसिया दो तरीको से दिया जा सकता है :

1. केन्युला द्वारा
2. मास्क द्वारा

१४. क्या आप जनरल एनेस्थेसिया के बारे में अधिक समझा सकते हैं ?

एक बार जब एनेस्थेटिस्ट को यह संतोष हो जाता है कि मरीज़ की स्थिति स्थिर है और वह एनेस्थेसिया के चरण में प्रवेश कर चुका है, उसके बाद ऑपरेशन की प्रक्रिया शुरु की जाती है । एनेस्थेटिस्ट लगातार मरीज़ के साथ रहता है, और लगातार मरीज़ के दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर, उसके रक्त में ऑक्सिजन का स्तर, मूत्र की मात्रा, श्वसन आदि पर नजर रखता है, एनेस्थेटिक के डोज़ की मात्रा में जरुरी वृद्धि-कमी करता है, और समय समय पर आवश्यकता के हिसाब से कोई तरल पदार्थ या दवाईयां देता है ।

आम तौर पर प्रक्रिया के दौरान दी जाने वाली दवाईयां इस प्रकार है:

- मरीज़ो को बेहोशी की हालत में रखने के लिए एनेस्थेटिक ड्रग्स या गैसीस
- मरीज़ को ऑपरेशन के दौरान और उसके बाद दर्द-मुक्त रखने के लिए दर्द में राहत देती दवाईयां
- मांसपेशियों को आराम मिले उसके लिए या उन्हें अस्थायी रुप से स्थिर बनाने के लिए मसल रिलेक्सन्ट
- इन्फेक्शन के प्रति सुरक्षा के लिए एन्टीबायोटिक्स
- मरीज़ की स्थिति में बदलाव के आधार पर अन्य दवाईयां

एनेस्थेटिस्ट सतर्क रहेगें और यह सुनिश्चित करेगें कि मरीज़ आसानी से साँस ले सकता है । ऑपरेशन के अंत में, एनेस्थेटीस्ट, एनेस्थेटिक और अन्य दवाईयों को देना बंद करेगें । जब एनेस्थेटिस्ट को इस बात की संतुष्टि होती है कि मरीज़ सामान्य स्थिति में वापस आने लगा है, निगरानी की जाएगी ।

15.एनेस्थेसिया के जोखिम और उसके दुष्प्रभाव क्या हैं?

एनेस्थेसिया के सामान्य दुष्प्रभाव और जटिलताएं:

- मलती या उल्टी होना
- सिरदर्द होना
- जहां इंजेक्शनदिया गया है उस जगह दर्द होना या नील के निशान होना
- गला और होठ शुष्क हो जाते है
- द्रष्टि धुंधली हो जानी /डबल दिखना और चक्कर आना
- मूत्र करने / होने में तकलीफ होना

जिन मरीज़ो की उम्र ज्यादा हो, धुम्रपान करते हो, अधिक वजन वाले हों, उनमें जोखिम रहता है और किडनी या लीवर से संबंधित रोग होने से इस जोखिम में काफी वृद्धि होती हैं ।

सीम्स अस्पातल में उपलब्ध ऐस्थेसिया सेवाएँः

- कार्डियोवास्क्युलर और थोरासिक एनेस्थेसिया
- कार्डियोवास्क्युलर इन्टरवेन्शन्स एनेस्थेसिया
- न्युरो एनेस्थेसिया
- ओर्थो एनेस्थेसिया
- ऑब्स्टेट्रिक्स और गायनेकोलॉजी एनेस्थेसिया
- ओन्को एनेस्थेसिया
- पीडियाट्रीक एनेस्थेसिया
- ऑर्गन ट्रान्सप्लान्ट एनेस्थेसिया
- लेबर एनेलजेसिया (प्रसूति के समय से संबंधित) एनेस्थेसिया
- जीआई और हिपेटोबिलीयर सर्जरी के लिए, पेन्क्रियाज, गॉल ब्लेडर और बाईल डक्ट से संबंधित ऑपरेशनो के लिए एनेस्थेसिया
- बेरियाट्रीक एनेस्थेसिया
- युरोलॉजी एनेस्थेसिया
- 24 x 7 इन्टेन्सिव केर (आईसीयु)
- पेईन क्लिनिक और पेईन इन्टरवेन्शन्स
- ट्रान्स-इसोफेजियल इकोकार्डियोग्राम (TEE)
- 24 x 7 एम्ब्युलन्स सेवाएं
- अस्पताल के अंदर होने वाली इमरजन्सी के लिए विशेष सेवाएं (कोड ब्ल्यु)
- लेप्रोस्कोपीक सर्जरी के लिए एनेस्थेसिया
- ट्रोमा सेन्टर में एनेस्थेसियां की सेवाएं
- हाई रिस्क और क्रिटीकली इलनेश के मरीज़ो के लिए एनेस्थेसिया की सेवाएं

सीम्स एनेस्थेसिया

डॉ. निरेन भावसार	98795 71917
डॉ. दिपक देसाई	93270 15673
डॉ. हिरेन धोलेकिया	95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	91732 04454
डॉ. मयंक पटेल	98255 56048
डॉ. संदीप मकान	99799 04485
डॉ. चिंतन पारेख	99790 06885
डॉ. कृणाल सोनी	98251 33457
डॉ. तेजेन्द्र परमार	98796 82286
डॉ. मितुल पटेल	95868 69723
डॉ. मानसी पटेल	98244 02404
डॉ. रवि अडाटीया	99093 12295
डॉ. मेघल पटेल	88499 35076
डॉ. केना पटेल	98240 01540
डॉ. रीतु रुपारेल	94296 46996
डॉ. रीन्कु प्रजापति	96384 43371

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल

रजी. ओफिस : प्लोट नं. 67/1, पंचामृत बंगलो के सामने,
शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060.
फोन : +91-79-2771 2771-75 फेक्स : +91-79-2771 2770

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-2772 1008
मोबाईल : +91-98250 66661 ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00

सीम्स अस्पतालकी ऐप्लीकेशन उपलब्ध है।

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000

सुरक्षित एनेस्थेसिया

इसे लेने से पहले आपके लिए जानन लायक जरुरी हर जानकारी

हम आपकी सुरक्षा, भलाई और विश्वास के लिए देखभाल, यथार्थता और ज्ञान प्रदान करते हैं

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL

1. एनेस्थेसिया - इसका अर्थ क्या है और इस प्रक्रिया का महत्व क्या है ?

एनेस्थेसिया एक संवेदना बिना की स्थिति है । यह स्थिति कभी कभी सिर्फ एक दवाई से पायी जा सकती है, जो की अकेली प्रभावों का सही संयोजन प्रदान करती है, या कभी कभी परिणामों को बहुत विशिष्ट संयोजन को प्राप्त करने के लिए, दवाईयों के संयोजन के द्वारा, जैसे कि हिपनोटिक्स (कृत्रिम निंद्रावस्था), सेडेटिव्स (शामक औषध), पेरालिटिक्स (किसी भी अवयव को अस्थायी रुप से सुन्न कर देना) और एनाल्जेसिक्स (दर्दनाशक दवाईयां) । जो मरीज़ किसी भी प्रकारी की ऑपरेटिव प्रक्रिया से गुजरता है, जिसे आम तौर पर सर्जरी के रुप में जाना जाता है, उसे इस तरह की प्रतिवर्ती स्थिति में ले जाया जाता है, ताकि यह प्रक्रिया, जिससे वह गुजरने वाला है, उसके कारण होने वाले दर्द का उसे बिलकुल ही अनुभव न हो ।

2. एनेस्थेसिया के विभिन्न प्रकार क्यां है ?

विभिन्न प्रकार के एनेस्थेसिया में लोकल एनेस्थेसिया, रिजनल एनेस्थेसिया, जनरल एनेस्थेसिया शामिल है ।

(ए) लोकल एनेस्थेसिया, शरीर में एक निश्चित स्थान को संवेदनाहीन करने के लिए दिया जाता है, उदाहरण के लिए, दांत निकालने की प्रक्रिया के दौरान दिए जानेवाला संज्ञाहरण ।

(बी) रिजनल एनेस्थेसिया, आपके शरीर और रीढ़ की हड्डी के बीच होने वाले तंत्रिकाओं के आवेगों के संचलन में बाधा डालता है, और शरीर के बड़े क्षेत्र को संवेदनाहीन करता है, उदाहरण के लिए स्पाईनल ऐस्थेसिया और एपिड्युरल एनेस्थेसिया ।

(सी) जनरल एनेस्थेसिया, आपके मस्तिष्क के स्तर से होने वाला आपका सेंसरी, मोटर और सिम्पेथेटिक नर्व ट्रान्समिशन को रोकता है, जिससे वह व्यक्ति पुरी तरह से बेहोश और पुरी तरह से संवेदनाहीन हो जाता है ।

3. सेडेशन (बेहोश करने की क्रिया) क्या है ?

सेडेशन यानि की दर्दी की, उसके आसपास के वातावरण के प्रति जागरुकता कम हो जाना, और बाहरी उत्तेजना के लिए उसकी प्रतिक्रिया की कमी होना । आम तौर पर, सेडेशन में एक व्यक्ति को गहरी नींद का अनुभव होता है । ऐसी स्थिति दवाईयों के द्वारा प्राप्त की जा सकती हैं, जिन्हे प्रक्रिया से पहले मरीज़ के शरीर में नस के द्वारा अंदर डाला जाता है । हालांकि, बेहोशी की हालत में भी मरीज़ दर्द का अनुभव कर सकता है, इसलिए आम तौर पर जब भी लोकल या रिजनल ऐस्थेसिया का उपयोग किया जाता है, तब प्रक्रिया के दौरान, मरीज़ को आराम मिले उसके लिए उसे सेडेशन दिया जाता है ।

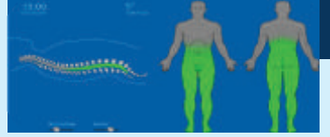

4. मरीज़ को ऐनेस्थेसिया कौन देता है और उसका संचालन कौन करता है?

एनेस्थेसियोलॉजी में अतिरिक्त योग्यता के साथ केवल एक योग्य मेडिकल पेशेवर ही मरीज़ को एनेस्थेसिया दे सकता है ।

योग्य विशेषता वाले एक मेडिकल प्रोफेशनल, जिन्होंने एनेस्थेसियोलॉजी में अतिरिक्त विशेषता प्रप्त की है, केवल वे ही एनेस्थेसिया दे सकता हैं और उसका संचालन कर सकते हैं । वे एक ऐस्थेटिस्ट या एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के रुप भी जाने जाते है । उनके पास एनेस्थेसियोलॉजी में एम.डी., डी.एन.बी. या डी.ए. की डिग्री होती है ।

5. एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की भूमिका क्या है ?

- सर्जरी से पहले एनेस्थेसिया के लिए मरीज़ के स्वास्थ्य का मूल्यांकन करना, और सर्जरी एवं ऐनेस्थेसिया के जोख़िम का मूल्यांकन करना ।
- प्रि-एनेस्थेटिक मुल्यांकन और ए.एस.ए. जोख़िम स्तरीकरण । मरीज़ के साथ चर्चा करके और उसके साथ मिलकर किस प्रकार के एनेस्थेसिया की जरुरत है, उसके बारे में निर्णय लेना ।
- मरीज़ को एनेस्थेसिया देना और उनका संचालन करना और सर्जरी के दौरान मरीज़ की दर्द रहित स्थिति को लगातार बनाए रखना ।
- संपुर्ण सर्जरी के दौरान मरीज़ की भलाई और सुरक्षा को बनाए रखना । वे लगातार मरीज़ की सामान्य स्थिति की निगरानी करते हैं, और तदनुसार हृदय, फेफड़े, किडनी आदि जैसे शरीर में महत्वपुर्ण अंगो के कार्यो को जारी रख्रते हैं । इसका अर्थ यह है कि आपके एनेस्थेटिस्ट के लिए आपकी सुरक्षा प्राथमिकता है ।

6. सुरक्षित एनेस्थेसिया के लिए मापदंड

- मरीज़ का सामान्य स्वास्थ्य और उसकी स्वस्थता अच्छी होनी चाहिए ।
- उसे किसी भी गंभीर बीमारी का अतीत का इतिहास नहीं होना चाहिए ।
- पिछली एनेस्थेसिया प्रक्रिया के साथ किसी भी समस्या का अतीत का इतिहास नहीं होना चाहिए ।
- एनेस्थेसिया के एजन्टो के प्रति उसके परिवार में ज्ञात प्रतिक्रियाओं का पारिवारिक इतिहास नहीं होना चाहिए ।
- उन्हे आर्युवेदिक दवाईयों और पुरक आहार सहित कोई भी ड्रग्स या दवाईयां नहीं लेनी चाहिए ।
- उसे किसी भी प्रकार की एलर्जी या कोई दवाईयों के प्रति कोई प्रतिक्रिया हुई होने का इतिहास नहीं होना चाहिए ।

7. एनेस्थेसिया प्राप्त करने से पहले एक मरीज़ के लिए 10 महत्वपुर्ण मापदंड

- सर्जरी से पहले शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार करना
- सर्जरी के एक महिने पहले से धुम्रपान छोडना
- यदि वर्तमान में आप कोई दवाईयां ले रहे हैं, तो उसके बारे में आपके डॉक्टर को बताना
- यदि अतीत में आपको किसी दवाई से एलर्जी या साइड इफेक्ट्स हुई हों तो उसके बारे में एनेस्थेटिस्ट को बताना
- आल्कोहॉल (शराब) कम मात्रा में लेनी क्योंकि शराब पीने से एनेस्थेटिक दवाईयों के प्रभाव में बदलाव आ सकता है ।
- सर्जरी के 24 घंटे पहले से किसी भी तरह का शराब न पीना या नशा न करना ।
- सर्जरी से पहले मनोरंजक दवाईयों को लेना बंद करना, क्योंकि वे एनेस्थेटिक दवाईयों को प्रभावित कर सकती है ।
- यदि आप ऐसी कोई भी दवाईयां लेते हैं, तो इसके बारे में आपको अपने एनेस्थेटिस्ट को सूचित करना चाहिए ।
- यदि आपक गर्भनिरोधक गोलियां लेते हैं तो अपने सर्जन को और एनेस्थेटिस्ट को उसके बारे में बताना चाहिए ।

अस्पातल के डॉक्टर और एनेस्थेटिस्ट को निम्नलिखित बातों के बारे में अवश्य पता होना चाहिए :

1. स्वास्थ्य समस्याएं
2. संक्रामक रोग
3. अतीत में की गई सर्जरी
4. गंभीर बीमारी
5. नकली दांत, कैप, कोई दांत अपनी जगह से हिल गए हों या ढीले हो गएं हों, या दंत से संबंधित अन्य समस्याएं
6. कोई भी चिकित्सकीय समस्याएं जिनके लिये नियमित उपचार की या अस्पताल में रहने की जरुरत हो, जिसमें डायाबिटीज़ (मधुमेह), हाई ब्लड प्रेशर, टीबी, अस्थमा आदि शामिल है ।
7. किसी भी प्रकार की दवाईयों के प्रति एलर्जी होनी ।

8. एनेस्थेसिया लेने से ठीक पहले क्या सावधानीयां बरती जानी चाहिए?

सर्जरी से पहले ८ से १० घंटे के दौरान ऐनेस्थेटिस्ट आपको कुछ भी न खाने या पीने के लिए सुचित करेंगे । यह पेट के पदार्थ फेफड़ो में जाने से रोकने के लिए है । चिकित्सीय भाषामें, इस स्थिति को "नील बाई माउथ" या NBM के रुप में जाना जाता है । किसी भी प्रकार के एनेस्थेसिया के लिए कम से कम 4 से 6 घंटे NBM रहना जरुरी है । लेकिन इमरजन्सी में, जिसमें एनेस्थेसिया देना जरुरी होता है, उसमें इस अवधि को बदला जा सकता हैं ।

आपकी सुरक्षा, भलाई और विश्वास के लिए हम देखभाल, यथार्थता और ज्ञान प्रदान करते हैं ।

9. ऐनेस्थेटिस्ट कुछ ऑपरेशनो के मुलत्वी क्यों करते हैं ?

कभी कभी, एनेस्थेटिस्ट को मरीज़ के सामान्य स्वास्थ्य के बारे मं कुछ ऐसा मिल सकता हैं, जिसके कारण किसी एनेस्थेसिया या ऑपरेशन का जोख़िम बढ सकता है । उन परिस्थितियों में, जब तक आपकी समस्या की समीक्षा या इलाज न कर लिया जाए, तब तक आपके ऑपरेशन को मुल्तवी करना ज्यादा बेहतर होगा । ऑपरेशन क मुल्तवी करने के किसी भी कारण के बारे में हंमेशा आपके साथ चर्चा की जायेगी । आपके एनेस्थेटीस्ट की मुख्य चिंता आपकी सुरक्षा है ।

10.एनेस्थेसिया के प्रकार का चयन कौन करेगा?

प्रक्रिया और मरीज़ के स्वास्थ्य की स्थिति के आधार पर किस प्रकार का एनेस्थेसिया अनुकुल रहेगा इसके बारे में एनेस्थेटिस्ट सलाह देगें । मरीज़ को एनेस्थेसिया के विभिन्न प्रकारों के बीच चयन करने का अवसर दिया जा सकता है । प्रत्येक प्रकार के एनेस्थेसिया के फायदे या नुकसान के आधार पर निर्धारित करने में एनेस्थेटिस्ट मदद करेगें । इसलिए अपने एनेस्थेटिस्ट डॉक्टर के साथ मुक्त मन से बात करें ।

11.एनेस्थेसिया कहां दिया जाएगा ?

यह प्रत्येक अस्पताल के सेट-अप पर निर्भर करता हैं, कुछ अस्पतालों में एनेस्थेसिया देने के लिए एक अलग कमरा होगा । हालांकि, ज्यादातर समय ऑपरेशन थियेटर में ही एनेस्थेसिया दिया जाता है । वहां, एनेस्थेटिस्ट के साथ साथ और कई लोग होंगे । ऑपरेशन शुरु करने से पहले, सतर्कता या सावधानी बरतने लायक सभी चीजों की जांच एक बार फिर की जाएगी ।

यदि मरीज़ को जनरल एनेस्थेसिया दिया जाता है, तो पैरामेडिकल स्टाफ मरीज़ को सुरक्षा के लिए, उसे उसके चश्मे, सुनने के उपकरण और कृत्रिम दाँतों को निकाल लेने के लिए अनुरोध करेगा । इसलिए, आपकी सुरक्षा के लिए, हंमेशा उनके साथ सहयोग करें ।

12.वास्तव में एनेस्थेसिया देने से पहले, किन प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा ?

ऑपरेशन के दौरान मरीज़ की स्थिति पर निगरानी रखने के लिए, एनेस्थेटिस्ट उसके साथ निम्नानुसार मॉनिटर लगाएगा :

- ईसीजी
- ब्लड प्रेशर कफ
- रक्त में ऑक्सिजन के स्तर की निगरानी करने के लिए क्लिप
- केन्युला - मरीज़ की बांह या हाथ ख्रए फईछे के हिस्से की नस में एक सुई का उपयोग करके एक पतली प्लास्टिक की नली को अंदर डाली जाएगी । इसे बाहर निकल जाने से रोकने के लिए, उसके उपर एक पट्टी लगाई जायेगी । उसके बाद, केन्युला ट्युब को नस के द्वारा दी जा सके वैसी दवाई या सलाईन के साथ जोड़ा जाएगा ।